

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHEDBY AUTHORITY

सं. 328] No. 328] नई दिल्ली, बुधवार, जून 27, 2001/आषाढ़ 6, 1923

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 27, 2001/ASADHA 6, 1923

वित्त मंत्रालय

(राजस्ब विभाग)

अधिस्चना

नई दिल्ली, 27 जुन, 2001

सं. 33/2001/सीमाशल्क (एन टी)

सा.का. नि. 479(अ).— केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड, सीमा शुल्क अधिनियम , 1962 (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 157 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विदेशी विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति (सीमाशुल्क विशेषाधिकार विनियमन) नियम, 1957 का और संशोधन करने के लिए निम्निसितस नियम बमाना है, अर्थात :-

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विदेशी विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति(सीमाशुक्क विशेषाधिकार विनियमन) संशोधन नियम, 2001 है
 - (2) ये राजपत्र में मुनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
- विदेशी विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति (सीमाशुक्क विशेषाधिकार विनिधमन) नियम, 1957 मैं,-
 - (i) नियम 4क में, -

(1)उपनिथम (2) के स्थान पर निम्निसित उपनिथम रखा जाएमा, अर्थात् :--

''(२) कोई भी विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति,-

- (क) उपनियम(1) में वार्णित किसी मोटर यान का किसी अन्य विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति को, विदेशी मंत्रालय के माध्यम से, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड की अनुसा से, विक्रय या अन्यका क्यम कर सकेगा ;
- (स) विवैश मंत्रालय की अबुबा से उक्त मोटर यान का पुनः निर्यात कर सकेगा ;
- (ग) विदेश मंत्रालय के माध्यम से, केन्द्रीय उत्पाद शुक्क और सीमाशुक्क बोर्ड की अनुमा से, उपयुक्त सीमाशुक्क का संदाय कर देने पर उस तारीखा से जिसको ऐसा मोटर यान आयात किया गया था, तीन वर्ष की समाप्ति पर किसी गैर विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति को उन्दर्त मोटर थान का विकृष था अन्यथा व्ययम कर सकेगा ;

परंतु विशेषाधिकार प्राप्त क्यक्ति, भारत के बाहर अपने स्थानंतरण पर ऐसे मोटर यान का, जो भारत में उसकी तैमाती के एक वर्ष के भीतर आयात किया गया था, उस तारीख़ से जिसको ऐसा मोटर थाम आयात किया गया था, तीम वर्ष की उपरोक्त अवधि की समाप्ति से पूर्व किसी गैर विशेषाधिकार प्राप्त ब्यक्ति को विक्रय या अन्ध्या व्ययन कर सकेगा;

(घ) किसी दुर्घटनाग्रस्त या पूर्णरूप से क्षतिग्रस्त मोटरयान का, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड की अनुन्ना से , उस बीमा कंपनी को जिसके पास उक्त मोटर यान का बीमा कराया गया था, उक्त यान का संह(क) और संह(क) के मिबंच्मों के अनुसार, विक्रय या अन्यवा व्ययन करने के अपने अधिकार पर प्रतिकृत प्रभाव हाले बिना, विक्रय था अन्यवा व्ययन कर सकेगा ;

परंतु यदि बीमा कंपनी उक्त मोटरथान के विक्य की प्रस्थापना को स्वीकार करने से इंकार करता है तो उक्त मोटर यान का केदीय उत्पाद शुक्क और सीमाशुक्क बोर्ड की अनुहा से स्क्रिपेंग के लिए मेटल स्क्रिप ट्रेडिंग कारपोरेशन या किसी अन्य उपयुक्त व्ययन अभिकरण को विक्य कर सकेगा":

(।) उपमियम (३) के स्थान पर मिन्नलिखित उपनियम स्क्रा जाएमा, अर्थात् :-

- "(3) किसी मोटर याम के कुमशः उपनिचम (2) के संह(क) और संह(म) के अधीन, यथास्थिति, किसी अन्य विशेषाधिकार प्राप्त ब्यक्ति या किसी गैर विशेषाधिकार प्राप्त ब्यक्ति को विक्रय या अन्यथा व्यथन के लिए या उपनिचम (2) के संह(ध) के अबीन किसी दुर्घटमार्मस्त या पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त याम के विक्रय या व्यथन के लिए प्रत्येक आवेदन विदेश मंत्रालय क्षारा विहित प्ररूप में किया जाएमा और वह मंत्रालय आवेदन को केसीय उत्पाद शुक्क और सीमाशुक्क बोर्ड को प्रतिप्रेषित करेगा ।"
 - (ii) मियम 5 में, -

(क) उपनिपयम (१क) का लोप किया जाएमा ।

(क) उपनिधम (१ क) के स्थान पर निम्नलिकित उपनियम रक्षा जाएगा । अर्थात् :--

" (1 स्र) नियम 4क के उपनियम (2) के संह(ग) के अधीन बेचे गए या अन्यथा क्यान किए गए किसी यान पर सीमाशुक्क का संदाय संबद्ध विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति के भारत में मुख्यालय से निकटतम आयुक्त को किया जाएगा, दुर्घटनाग्रस्त या पूर्णरूप से क्षित्यस्त यान की दशा के सिवाय, ऐसे मोटर यान के लिए वसूल किए जाने के लिए शुक्क , बरते गए मोटर थानों को आयात की दशा में केन्द्रीय उत्पाद शुक्क और सीमाशुक्क बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट मानदंडों पर अवक्षयण के लिए ख्यस्या करने के पश्चात् निकाल गए अवक्षयित मूल्य पर निर्धारित किया जाएगा और ऐसे यान पर शुक्क की दर तथा विदेशी करेंसी के भारतीय करेंसी में संपरिवर्तन के लिए विभियम दर को उक्त बोर्ड द्वारा नियम 4 क के उपनियम (2) के संह (ग) के अधीन ऐसे विकय या अन्यथा व्ययन के अनुमोदन की तारीस को लागू होने वाली दर के रूप में लिया जाएगा;

परंतु आयात के चार वर्ष के पश्चात् यानों के शुल्क मुक्त विक्रय की सुविधा उन देशों के जो उन देशों में तैनात भारतीय विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्तियों को थानों के शुल्क मुक्त विक्रय की ऐसी ही सुविधा अनुझात कर रहे हैं, विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्तियों को पारस्परिकता के आधार पर अनुझात की जाएगी और इस प्रयोजन के लिए विदेश मंत्रालय को किए गए आवेदनों पर आवेदकों के भारत छोड़ने से पूर्व विचार किया जाएगा । "

(ग) उपनिधम (1 ग) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम स्खा जाएगा, अर्वात् :-

" (1ग) नियम 4 क उपनियम (2) के संह(घ) में निर्दिष्ट किसी हुर्घटनाग्रस्त या पूर्णरूप से क्षितग्रस्त यान की दशा, में सीमाशुक्क की संगणना विक्रय कीमत में शुक्क को लेते हुए की जाएगी और शुक्क की दर वह दर मानी जाएगी जो ऐसे मोटर यान को, यदि वह ऐसे विक्रय के समय इस प्रकार दुर्घटनाग्रस्त या क्षतिग्रस्त नहीं हुआ होता तो उसे लागू होती । "

- (घ) उपिनयम (१ग) के पश्चात् निम्निकिति उपिनयम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-
- " (१ घ) उस दशा में जिसमें यान चौरी चला गया हो, सीमाशुल्क बीमा के दावे की रकम में शुल्क को लेते हुए संगणित किया जाएगा और शुल्क की दर वह दर मानी जाएगी जो ऐसे मोटर यान को लागू हो । "
- (इ) उपनिथम (4) का लोप किया जाएमा ।

[फा. सं. 421/4/95-सीमाशुरूक-IV] राजेन्द्र सिंह, अवर सचिव

पाद टिप्पण:-- मूल नियम भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं० 4 सीमाशुक्क तारीस 8 जनवरी, 1957 के तहत प्रकाशित किए गए थे और उनमें अंतिम संशोधन आधिसूचना सं० 43/99 -सीमाशुक्क (एन टी) , तारीस 2 जुलाई, 1999 के द्वारा किए गए ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th June, 2001

No. 33/2001-Cus. (N.T.)

G.S.R. 479(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 157, read with sub-section (3) of section 160 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Board of Excise and Customs hereby makes the following rules to further amend the Foreign Privileged Persons' (Regulation of Customs Privileges) Rules, 1957, namely:-

- 1. (1) These rules may be called the Foreign Privileged Persons, (Regulation of Customs Privileges) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Foreign Privileged Persons' (Regulation of Customs Privileges) Rules, 1957,-
- (i) in rule 4A,-
- (I) for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely:"(2) Any privileged person may -
- (a) sell or otherwise dispose of any motor vehicle referred to in sub-rule (1) to another privileged person, with the permission of Central Board of Excise and Customs through the Ministry of External Affairs;
- (b) re-export the motor vehicle, with the permission of the Ministry of External Affairs;
- (c) sell or otherwise dispose of the motor vehicle to any non-privileged person, with the permission of Central Board of Excise and Customs through the Ministry of External Affairs, on payment of appropriate customs duty, on expiry of three years from the date on which such motor vehicle was imported.

Provided that a privileged person, on his transfer out of India, may sell or otherwise dispose of a motor vehicle, which was Imported within one year of his posting in India, to a non-privileged person prior to expiry of above-said period of three years from the date on which such motor vehicle was imported;

(d) sell or otherwise dispose of an accidented /totally damaged motor vehicle, with the permission of Central Board of Excise and Customs, to the Insurance Company with whom the motor vehicle was insured without prejudice to his rights to sell or otherwise dispose of the motor vehicle in terms of clauses (a) and (b).

Provided that in case the insurance company declines to accept the offer for sale of the motor vehicle, the motor vehicle, with the permission of Central Board of Excise and Customs, may be sold to the Metal Scrap Trading Corporation or any other suitable disposal agency for scrapping.";

- (II) for sub-rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely:-
- "(3) Every application for sale or disposal otherwise of a motor vehicle to another privileged person or, as the case may be, to a non-privileged person under clauses (a) and (c) of sub-rule (2) respectively or sale or disposal of an accidented or totally damaged vehicle under clause(d) of sub-rule (2), shall be made to the Ministry of External Affairs, in the Form prescribed by the Ministry of External Affairs for the purpose, and that Ministry shall remit the application to the Central Board of Excise and Customs."
- (ii) in rule 5,-
- (a) sub-rule (1A) shall be omitted.

(b) for sub-rule (1B), the following sub-rule shall be substituted, namely:-

"(1B) The custom duty on any vehicle sold or otherwise disposed of under clause (c) of sub-rule (2) of rule 4A shall be paid to the Commissioner of Customs nearest to the headquarters in India of the privileged person concerned, the duty to be recovered for such motor vehicle, except in case of accidented or totally damaged vehicle, shall be assessed on the depreciated value arrived after providing for depreciation at the scales specified by the Central Board of Excise and Customs in case of import of second hand motor vehicles, and the rate of duty on such vehicle and the exchange rate for conversion of foreign currency into Indian currency shall be taken as applicable on the date of approval of such sale or otherwise disposal by the said Board under clause (c) of sub-rule (2) of rule 4A.

Provided that the facility of duty free sale of vehicles, after four years of import, shall be allowed on reciprocal basis to privileged persons of those countries, which are allowing similar facility of duty free sale of vehicles to Indian privileged persons posted in those countries, and for this purpose applications made to the Ministry of External Affairs before the applicants leave India shall be entertained."

- (c) for sub-rule (1C), the following sub-rule shall be substituted, namely:-
- "(1C) In the case of any accidented or totally damaged vehicle referred to in clause (d) in sub-rule (2) of rule 4A, the Customs duty shall be calculated taking the sale price as cum-duty price and rate of duty shall be taken as that applicable to such motor vehicle, if it had not been so accidented or damaged at the time of such sale."
- (d) after sub-rule (1C), the following sub-rule shall be inserted, namely:-
- "(1D) In case a vehicle has been stolen, customs duty shall be calculated taking the amount of insurance claim as cum duty price and rate of duty shall be taken as that applicable to such motor vehicle."
- (e) sub-rule (4) shall be omitted.

[F. No. 421/4/95-Cus. IV]

RAJENDRA SINGH, Under Secy.

Note:—The principles rules were published in the Gazette of India vide notification Customs No. 4 dated the 8th January, 1957 and last amended by the notification No. 43/99-Customs(N.T.) dated the 2nd July, 1999.

· C				
			1	